***Date*:** 24-11-20
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Sonbhadra

कोल इंडिया सौर ऊर्जा पर जोर देगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसकी 2023-24 तक छत और धरातल पर 14 सौर परियोजनाओं के जरिये 3,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमाता स्थापित करने की योजना है।इसमें 5,650 करोड़ रुपये निवेश अनुमानित है।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कोयला मंत्रालय ने शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन कंपनी बनने की जम्मेदारी कोल इंडिया को दी है।

***Date*:** 24-11-20
***Publication*:** The Telegraph
***Edition*:** Kolkata

CIL charts solar plans

A STAFF REPORTER

Calcutta: Coal India on Monday said that it planned to set up 3GW solar power capacity by 2023-24 at an estimated investment of Rs 5,650 crore.

A total of 14 rooftop and ground mounted solar power projects are planned as part of the efforts of the company to diversify and manage its energy costs.

Of the proposed investment, Rs 3,650 crore will be funded from Coal India's own capital expenditure till 2023-24 and the remaining amount will be met through joint ventures of the public sector miner.

Coal India and NLC India have floated a joint venture company — Coal Lignite Urja Vikas Private Limited — to develop 1,000MW solar power projects. The joint venture company came into being earlier this month.

ALTERNATIVE

Coal India has also formed a joint venture with NTPC and has entered into a memorandum of understanding with Solar Energy Corporation of India for solar projects of 1,000MW each and the miner has initiated discussions with NTPC for the purchase of 140 MW of solar power under government's CPSE scheme.

According to Coal India officials, the solar power initiative would reduce the annual power consumption expense which was around Rs 3,400 crore in 2019-20, accounting for 4.4 per cent of expenses for the year.

Coal India has generated 4.6 million units of solar power from its existing projects in 2019-20 and 4.25 million units in 2018-19. This amounts to a reduction of over 3000 tonnes of carbon dioxide emission in each year. Beginning with a 10MW solar capacity during the ongoing fiscal, CIL would gradually peak up to 1,340 MW in 2023-24.

***Date*:** 24-11-20
***Publication*:** The Times of India
***Edition*:** Kolkata

Coal India plans solar projects for ₹5,650 crore

Aims To Become A Net-Zero Energy Co By 2023-24

Sanjay.Dutta@timesgroup.com

New Delhi: Coal India, the world's biggest coal miner and India's single-largest greenhouse gas emitter, has become the latest Indian entity to enter the renewables covenant. It has pledged Rs 5,650 crore for building 3,000MW (mega watt) of solar power projects as part of a plan to become a net-zero energy company by 2023-24.

The state-run behemoth's solar foray is part of the Narendra Modi government's larger strategy for meeting — rather exceeding — the commitment made at the Paris climate meet, or COP-21, to reduce India's carbon footprint. A data set released by US-based Climate Accountability Institute in December 2019 ranked Coal India eighth among the top 20 companies responsible for global carbon emissions from 1965-2017.

A million unit (MU) of solar power generation brings down Co2 emissions by a little over 700 tonnes. By this calculation, reducing the economy's carbon footprint without hitting growth is a big challenge. Roughly 55% of electricity in the country comes from coal-fired power stations, even though renewables now account for a quarter of the 3,73,436MW installed capacity.

But things are slowly changing, albeit with a gentle nudge from the government, as big coal burners are cleaning up their act. An example is the country's largest generation utility NTPC. The coal burner is pursuing renewables aggressively, with a target of building 10,000MW of solar capacity at an investment of Rs 50,000 crore by 2022. Other power producers such as the Adani and Tata groups have charted a green course.

For Coal India, the solar foray makes sound business sense. It will allow monetisation of the company's idle land bank at mine sites, a plan **TOI** had first reported in its August 11 edition. In addition, the projects will reduce the company's annual power bill of Rs 3,400 crore, accounting for more than 4% of revenue expense in 2019-20.

According to the broad contour of the plan outlined to the bourses on Monday, CIL will set up 14 projects in both rooftop and ground-mounted category. The company will invest Rs 3,650 crore as part of its capital expenditure till 2023-24. The rest of the investment will come from joint venture partners.

GREEN DRIVE

- CIL has formed a joint venture with NLC (Neyveli Lignite Corporation), called Coal Lignite Urja Vikas, to synergise resources. This venture has a target to set up 1,000 MW solar project
- It has also tied up with NTPC and inked an MoU with SECI (formerly Solar Energy Corporation of India) for solar projects of 1,000 MW each
- CIL subsidiaries generated 4.6 mus (million units) during 2019-20 and 4.25 mus in 2018-19. This amounts to a reduction of over 3,000 tonnes of carbon dioxide emissions each year

Price hike from Dec

Coal India has increased the price of non-coking coal for both regulated (like power) and non-regulated sector by Rs 10 per tonne effective from December 1. CIL would use this corpus for contribution towards miners' provident fund scheme.

***Date*:** 28-11-20
***Publication*:** Dainik Bhaskar
***Edition*:** Singrauli
***Entity*:** Coal India Limited, Northern Coalfields Ltd

कोल इंडिया के चेयरमैन आज आयेंगे एनसीएल

कार्यालय संवाददाता, सिंगरौली (मोरवा) | कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल (आईएएस) आज

सुबह 11 बजे सिंगरौली पहुंचेंगे। आज एनसीएल का 36वीं वर्षगांठ समारोह पूर्वक मुख्यालय में मनाया जायेगा। जिसमें सीआईएल चेयरमैन बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। शायंकाल 4 बजे से कम्पनी के स्थापना का केन्द्रीय कार्यक्रम मुख्यालय में शुरू होगा और देर रात तक चलेगा। तदोपरांत सीएमडी सभाकक्ष में समीक्षा बैठक लेंगे।

***Date*:** 29-11-20
***Publication*:** Nava Bharat
***Edition*:** Satna

कोल इंडिया चेयरमैन ने एनसीएल को दी प्रबंधन विकास संस्थान की सौगात

एनसीएल के 36 वें स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 नवम्बर। एनसीएल की होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने एनसीएल के 36 वें स्थापना दिवस पर सभी एनसीएल कर्मियों एवं हितग्राहियों को शुभकामनायें दीं। श्री अग्रवाल कंपनी के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर एनसीएल दौरे पर हैं।

शनिवार को आगमन के उपरांत अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कोल इंडिया प्रमोद अग्रवाल ने सर्वप्रथम एनसीएल मुख्यालय, सिंगरौली में नवनिर्मित शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर श्री अग्रवाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सीएमडी एनसीएल कार्यकारी निदेशक मण्डल एवं अन्य एनसीएल पदाधिकारी इस दौरान मौजूद थे। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कोल इंडिया प्रमोद अग्रवाल ने एनसीएल आला अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की तथा उत्पादन, उत्पादकता, प्रेषण, परिवहन एवं कंपनी में लागू नए तकनीकी बदलावों का जायजा लिया एवं उम्मीद जताई कि एनसीएल सभी मानकों पर खरा उतरते हुए लक्ष्य से अधिक कोयला उत्पादन करेगी।

प्रबंधन विकास संस्थान एमडीआई का हुआ उद्घाटन- अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कोल इंडिया ने एनसीएल के मुख्यालय में नवनिर्मित प्रबंधन विकास संस्थान एमडीआई भवन का उद्घाटन किया। यहाँ पर देश के शीर्षस्थ संस्थानों के सहयोग से एनसीएल अधिकारियों को प्रबंधन के गुर सिखाए जाएँगे। इस सुसज्जित प्रबंधकीय संस्थान में दो सौ से अधिक व्यक्तियों को एक साथ प्रशिक्षण के लिए बहुद्देशीय हॉल के साथ प्रथम तल पर पाँच सुसज्जित कमरे भी हैं। श्री अग्रवाल ने सीईटीआई स्थित सिम्युलेटर कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा अलग-अलग सिम्युलेटर का प्रयोग एवं इससे दिये जाने वाले आभासी प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली को समझा। इसके पूर्व शनिवार को सुबह एनसीएल के सीएमडी प्रभात कुमार सिन्हा ने ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में श्री सिन्हा ने कहा कि आज का दिन एनसीएल कर्मियों के लिये एक विशेष दिन है तथा हमें गर्व है कि लगभग 11 मिलियन टन कोयला उत्पादन से शुरू कर कंपनी ने कुछ ही दशकों में 900 प्रतिशत की छलांग के साथ वर्ष 2019-20 में 108.05 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। श्री सिन्हा ने विश्वास जताया कि एनसीएल वर्ष 2020-21 में 113.25 मिलियन टन से भी अधिक उत्पादन करेगी। साथ ही उन्होंने कंपनी की श्रमशक्ति एवं कल्याण सुविधाओं को बढ़ाने और स्थानीय लोगों के समग्र विकास के प्रति एनसीएल प्रबंधन कि प्रतिबद्धता भी दोहराई। ध्वजारोहण के दौरान एनसीएल के निदेशक कार्मिक बिमलेन्दु कुमार, निदेशक तकनीकी संचालन डॉ.अनिंद्य सिन्हा, निदेशक वित्त आरएन दुबे, निदेशक तकनीकी परियोजना - योजना एसएस सिन्हा, जेसीसी सदस्य भुल्लोलाल यादव बीएमएस, अशोक दुबे सीएमएस एवं सीएमओएआई से महासचिव सर्वेश सिंह, कृति महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता सिन्हा तथा उपाध्यक्षा डॉ. सुनीता कुमारी,सुचन्द्रा सिन्हा, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल स्थापना दिवस का केंद्रीय कार्यक्रम सायंकाल में सीमित संख्या के साथ अधिकारी क्लब एनसीएल मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा।

***Date*:** 29-11-20

***Publication*:** Dainik Bhaskar
***Edition*:** Singrauli

कोल इंडिया चेयरमैन ने एनसीएल को दी प्रबंधन विकास संस्थान की सौगात

एनसीएल के 36वें स्थापना दिवस पर हो रहा कई कार्यक्रमों का आयोजन

भास्कर न्यूज | सिंगरौली (वैढ़न)

एनसीएल की होल्डिंग कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रमोद अग्रवाल ने एनसीएल के 36वें स्थापना दिवस पर सभी एनसीएल कर्मियों एवं हितग्राहियों को शुभकामनायें दीं। श्री अग्रवाल कंपनी के स्थापना दिवस के अवसर पर एनसीएल के दौरे पर हैं। शनिवार को आगमन के उपरांत अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक कोल इंडिया श्री अग्रवाल ने सर्वप्रथम एनसीएल मुख्यालय में नवनिर्मित शहीद स्मारक स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर श्री अग्रवाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सीएमडी एनसीएल, कार्यकारी निदेशक मंडल एवं अन्य एनसीएल पदाधिकारी इस दौरान मौजूद थे। श्री अग्रवाल ने एनसीएल आला अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की तथा उत्पादन, उत्पादकता, प्रेषण, परिवहन एवं कंपनी में लागू नए तकनीकी बदलावों का जायजा लिया एवं उम्मीद जताई कि एनसीएल सभी मानकों पर खरा उतरते हुए लक्ष्य से अधिक कोयला उत्पादन करेगी।

संस्थान का किया उद्घाटन

कोल इंडिया चेयरमैन श्री अग्रवाल ने एनसीएल के मुख्यालय में नवनिर्मित प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई) भवन का उदघाटन किया। यहां पर देश के शीर्षस्थ संस्थानों के सहयोग से एनसीएल अधिकारियों को प्रबंधन के गुर सिखाए जाएंगे। इस सुसज्जित प्रबंधकीय संस्थान में दो सौ से अधिक व्यक्तियों को एक साथ प्रशिक्षण के लिए बहुउद्देशीय हॉल के साथ प्रथम तल पर पांच सुसज्जित कमरे भी हैं। श्री अग्रवाल ने सीईटीआई स्थित सिमुलेटर कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा अलग अलग सिमुलेटर का प्रयोग एवं इससे दिये जाने वाले आभासी प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली को समझा।

इनकी रही उपस्थिति

ध्वजारोहण के दौरान एनसीएल के निदेशक कार्मिक बिमलेन्दु कुमार, निदेशक तकनीकी संचालन डॉ. अनिंद्य सिन्हा, निदेशक वित्त आरएन दुबे, निदेशक तकनीकी/परियोजना -योजना एसएस सिन्हा, जेसीसी सदस्य मुन्नीलाल यादव बीएमएस, अशोक दुबे सीएमएस एवं सीएमओएआई से महासचिव सर्वेश सिंह, कृति महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता सिन्हा तथा उपाध्यक्षा डॉ. सुनीता कुमारी, सुचन्द्रा सिन्हा, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल स्थापना दिवस का केंद्रीय कार्यक्रम सायंकाल में सीमित संख्या के साथ अधिकारी क्लब एनसीएल मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा।

ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस का किया शुभारंभ

इसके पूर्व शनिवार को सुबह एनसीएल के सीएमडी प्रभात कुमार सिन्हा ने ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। स्थापना दिवस के अवसर पर अपने उदबोधन में श्री सिन्हा ने कहाकि आज का दिन एनसीएल कर्मियों के लिये एक विशेष दिन है तथा हमें गर्व है कि लगभग 11 मिलियन टन कोयला उत्पादन से शुरू कर कंपनी ने कुछ ही दशकों में 900 प्रतिशत की छलांग के साथ वर्ष 2019-20 में 108.05 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया है। श्री सिन्हा ने विश्वास जताया कि एनसीएल वर्ष 2020-21 में 113.25 मिलियन टन से भी अधिक उत्पादन करेगी। उन्होंने कंपनी की श्रमशक्ति एवं कल्याण सुविधाओं को बढ़ाने और स्थानीय लोगों के समग्र विकास के प्रति एनसीएल प्रबंधन कि प्रतिबद्धता भी दोहराई।

***Date*:** 29-11-20
***Publication*:** Dainik Bhaskar
***Edition*:** Singrauli

अपेक्षा से बेहतर विस्थापन दूंगा: प्रमोद अग्रवाल

मोरवा-मेढ़ौली के विस्थापन की दुश्वारियों को लेकर सीआईएल चेयरमैन से मिला प्रतिनिधि मंडल, जिले में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हरसंभव मदद का मिला आश्वासन

हर समय, हरसंभव मदद करेंगे

पूछा, कितने लोगों की आबादी है?

श्री अग्रवाल का जिले से है पुराना नाता

एनसीएल के स्थापना दिवस समारोह में बढ़ाया हौसला, दी सौगातें

***Date*:** 30-11-20
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Sonbhadra
***Entity*:** Coal India Limited, Northern Coalfields Ltd

पर्यावरण अनुकूल खनन प्राथमिकता: प्रमोद

अनपरा | निज संवाददाता

एनसीएल के 36वें स्थापना दिवस पर शनिवार की शाम आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम में कोल इंडिया लिमटेड के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने बीते वर्ष में लक्ष्य से अधिक उत्पादन के लिए टीम एनसीएल की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि एनसीएल अपने प्रदर्शन को बरकरार रखेगी। अग्रवाल ने कोविड के दौरान भी एनसीएल के प्रदर्शन में स्थिरता की तारीफ की और कहा कि विपरीत परिस्थितियों में एनसीएल के प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है जो एनसीएल में सुरक्षित परिचालन एवं टीम एनसीएल की कार्य कुशलता को रेखांकित करती है।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में सर्वोत्तम प्रदर्शन पर सम्मानित करते चेयरमैन। • हिन्दुस्तान

उन्होने कोयला उद्योग में गुणवत्ता, डिजिटाईजेशन,पर्यावरण अनुकूल खनन एवं नवीन तकनीकी के प्रयोग,मशीनीकृत परिवहन पर जोर दिया। उन्होने यह भी कहा कि सामाजिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए कोल इंडिया की चालू वित्त वर्ष में सीएसआर मद में लगभग 600 करोड़ ख़र्च करने की योजना है।

7 हजार करोड से मूलभूत ढांचे को किया जायेगा सुदृढ़: कोयले के सड़क परिवहन न्यूनतम करने की भी सीएमडी ने रखी योजनास्थापन दिवस कार्यक्रम में सीएमडी एनसीएल पी के सिन्हा ने कहा कि सड़क मार्ग से कोयला परिवहन को न्यूनतम स्तर तक लाने एवं एनसीएल के मूलभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 7 हजार करोड़ के पूंजीगत निवेश की योजना है। उन्होने इसका विस्तृत ब्योरा भी रखा।इस दौरान एनसीएल के निदेशक (कार्मिक) बिमलेन्दु कुमार, निदेशक(तकनीकी/संचालन) डॉ अनिंद्य सिन्हा, निदेशक(वित्त) आर एन दुबे, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एण्ड योजना) एसएस सिन्हा,तकनीकी सचिव-अध्यक्ष-सह प्रबंध निदेशक, कोल इंडिया एम के सिंह कोल इंडिया लिमिटेड ऑफिसर्स वाइव्स समिति (सीआईएलओडब्ल्यूएस) की अध्यक्षा डॉ रेणु अग्रवाल,कृति महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता सिन्हा तथा उपाध्यक्षा डॉ सुनीता कुमारी, सुचन्द्रा सिन्हा, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ट कोयला क्षेत्र सम्मानित किये गये और 17 भू-विस्थापितों को नियुक्तिपत्र भी दिये गये।इस अवसर परअध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक,कोल इंडिया प्रमोद अग्रवाल ने बीना के अटल चिकित्सालय तथा डॉ श्रीमती रेणु अग्रवाल ने बीना वर्करस क्लब ''संस्कार केंद्र'' का ई-उद्घाटन किया।